JANAURY-2024

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

U.P's 2 cr tap connections lauded at TN meet

LUCKNOW : Uttar Pradesh's record of providing 2 crore tap water connections to rural families, shone out at the 'All India Secretaries' Conference on Water Vision @ 2047 -Way Ahead' that began at Mahabalipuram, in Tamil Nadu, on Tuesday. The success story of UP with the launch of Har Ghar Jal scheme, was the talking point at Mahabalipuram conference, said an officer. The National Water Mission under the aegis of the ministry of Jal Shakti is conducting the conference with an aim to ideate, share best practices and review action taken on water quality, river health, water use efficiency, and water supply, he said. **HTC**

U.P. PROVIDES TAP CONNECTIONS TO 75% VILLAGES

LUCKNOW: Uttar Pradesh achieved another milestone on Wednesday with water connections being provided to 75% villages of the state.

Chief minister Yogi Adityanath expressed gratitude to the Prime Minister for the successful launch of the Jal Jeevan Mission in U.P. and congratulated the officers associated with the mission.

Union Jal Shakti minister, Gajendra Singh Shekhawat, said that it is a big achievement for U.P.

Uttar Pradesh Jal Shakti minister Swatantra Dev Singh extended his wishes for the achievement of the target.

"UP Jal Jeevan Mission has taken a huge leap in providing pure water to the villages in U.P. In the rating of the government of India, Uttar Pradesh has joined the list of states providing 75% tap connections, he said. A state government spokesperson said that Uttar Pradesh has set a target to provide pure water to 26,34,8443 families residing in various districts. **HTC**

Har Ghar Jal: UP lauded at nat'l meet

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Uttar Pradesh's achievement of meeting 75% of the target under the Har Ghar Jal scheme was appreciated at the ongoing 'All India secretaries' conference on water vision @ 2047-Way Ahead' at Mahabalipuram in Tamil Nadu.

The conference has been organised by the national water mission under the aegis of the ministry of jal shakti to bring together all states to ideate, share best practices in different states and review action taken on water quality, river health, water use efficiency and water supply.

Principal secretary Namami Gange and rural water supply department, Anurag Srivastava held a discussion on drafting a work plan for ensuring water supply and behavioural changes among masses as a solution for drinking water supply in future. The discussion also focussed on water conservation and climate change.

Srivastava spoke about real-time monitoring and analysis for rivers, including the Yamuna, Ganga and their tributaries, on a common platform.

He said that climate change had made an impact on water management and there was a need to make plans for water conservation and supply in the future.

"Even international experts have said that we need to constantly focus on water conservation and supply or else our efforts might not bring result," he said. Besides, UP's achievement of providing two crore tap water connections was also discussed. Under the Har Ghar Jal scheme, UP has achieved 75% of the target.

Hindustan Times

U.P's 2 cr tap connections lauded at Tamil Nadu meet

By HT Correspondent, Lucknow

The success story of Uttar Pradesh with the launch of the Har Ghar Jal scheme, was the talking point at the Mahabalipuram conference

For representation only (HT File Photo)

Uttar Pradesh's record of providing 2 crore tap water connections to rural families, shone out at the 'All India Secretaries' Conference on Water Vision @ 2047 -Way Ahead' that began at Mahabalipuram, in Tamil Nadu, on Tuesday.

The success story of Uttar Pradesh with the launch of the Har Ghar Jal scheme, was the talking point at the Mahabalipuram conference, said an officer.

Stay tuned for all the latest updates on Ram Mandir! Click here

The National Water Mission under the aegis of the ministry of Jal Shakti is conducting the conference with an aim to ideate, share best practices and review action taken on water quality, river health, water use efficiency, and water supply, he said.

Speaking in a session principal secretary, Namami Gange and rural water supply department, Anurag Srivastava, spoke on the plan for ensuring water supply in future and behaviour change among masses for drinking water supply. He stressed on water conservation and measures for climate change.

Srivastava also shared views on real-time monitoring and analysis for rivers including Yamuna, Ganga and their tributaries, on a common platform. He said that climate change has made an impact upon water management, and we need to make plans, for water conservation and supply of drinking water.

Balkar Singh, secretary, Namami Gange and rural water supply department, was also present in the conference.

epaper हिन्दुस्तान

नल से जल 75% ग्रामीणों तक पहुंचा

लखनऊ। यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों को नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है।

बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में यूपी 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए सीएम योगी ने एक्स पर जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताया। बताते हुए बधाई दी है। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

यूपी ने पार किया 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने का लक्ष्य

राब्यू, लखनऊ : जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण आबादी तक शुद्ध पानी मुहैया कराने की सरकार की मुहिम को बड़ी सफलता मिली है। भारत सरकार की रेटिंग में यूपी 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों की तरफ से जल जीवन मिशन योजना के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया एकाउंट एक्स पर किए गए पोस्ट में हर परिवार को नल कनेक्शन से जोड़ने के लक्ष्य को जल्द प्राप्त करने का भरोसा जताया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस बड़ी उपलब्धि के लिए उप्र को बधाई दी है। उत्तर प्रदेश में 2,63,48,443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है।

यूपी के 75% ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : यूपी में हर घर नल योजना तेजी से बढ़ रही है। योजना के तहत अब तक यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों को नल से शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करवा दी गई है।

भारत सरकार की रेटिंग में बुधवार को यूपी 75 फीसदी नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। वहीं योगी ने यूपी की जनता की ओर से पीएम मोदी का आभार जताया।

उपलब्धि जल जीवन मिशन के तहत यूपी ने पार किया 75 फीसदी नल कनेक्शन देने का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

स्वसस ■ लखनऊ

यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन : उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभांवित हो चुके हैं।

पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में यूपी ने वितीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

मई में 12 लाख 93 हजार नल कनेक्शन दिये थे

यूपी मई 2023 में 12 लाख 93 हजार से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजार, हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

जल जीवन मिशन के तहत यूपी ने पार किया 75 फीसदी नल कनेक्शन देने का लक्ष्य

- मुख्यमंत्री ने दी बधाई, योजना के लिए पीएम का जताया आभार
- मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है।

बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वहन किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं।

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभांवित हो चुके हैं।

पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

मई में 12 लाख 93 हजार नल कनेक्शन दिये थे

यूपी मई 2023 में 12 लाख 93 हजार से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजार, हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

यूपी में 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

लखनऊ। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने में उत्तर प्रदेश ने 75 फीसदी ग्रामीणों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है। केंद्र सरकार की रेटिंग में यूपी 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि प्रदेश में 2,63,48,443 परिवारों को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 1,97,90,921 घरों को नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। ये लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। उधर, सीएम योगी ने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। ब्यूरो

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफसे जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वाहन किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं। उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभांवित हो चुके हैं। हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023.24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है।

यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था। यूपी मई 2023 में 12 लाख 93 हजार से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजारए हरदोई में 3 लाखए लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजारए प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

तमिलनाडु में सुनाई दी नल कनेक्शन के रेकॉर्ड की गूंज

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ :** तमिलनाडु के महाबलिपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कॉन्फ्रेंस में यूपी में दो करोड़ नल कनेक्शन के रेकॉर्ड की गूंज सुनाई दी। कॉन्फ्रेंस का विषय 'वॉटर विजन @2047 वे अहेड' है। पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए यूपी नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कनेक्शन की प्रगति रिपोर्ट रखी। उन्होंने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ-साथ ग्राउंड वॉटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया। नदियों को साफ करने के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती की जा रही है।

Har Ghar Jal
Jal Jeevan Mission

कांफ्रेंस के पहले सत्र की उत्तर प्रदेश ने की अध्यक्षता

तमिलनाडु में भी योगी के उप्र की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

प्रमुख सचिव ने बताया पानी की समस्या वाले बुंदेलखंड और विंध्य में कैसे पहुंची हर घर नल योजना

स्वदेश संवाद ■ लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उप्र के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उप्र नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन @2047 वे अहेड' था। कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये. श्री अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उप्र लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

इस वर्कशॉप में इन सारी बातों के इतर उत्तर प्रदेश में हर घर नल से जल योजना के तहत 2 करोड़ घरों में पानी का कनेक्शन देने के रिकॉर्ड को लेकर खूब चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभाग के अधिकारियों ने जिस तरह से इसमें अपना योगदान देते हुए उप्र के लाखों गांवों तक पानी का कनेक्शन पहुंचा दिया उसकी खूब सराहना की गई है।

जैविक खेती से साफ हो रही नदियां

कांफ्रेंस के दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि किस तरह से गंगा यमुना और दूसरी सहायक नदियों को साफ करने का किया जा रहा है। नदियों को साफ करने के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती की जा रही है। गंगा नदी को साफ रखने के लिए बिजनौर से बलिया तक नदी किनारे आने वाले गांवों के लोगों के साथ मिलकर सरकार विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। नदियों को साफ करने के लिए एसटीपी बनाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में एमडी जल निगम ग्रामीण डॉ. बलकार सिंह भी मौजूद थे।

तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम

प्रमुख सचिव ने बताया : बुंदेलखंड और विंध्य में कैसे पहुंची हर घर नल योजना

» दो करोड़ नल कनेक्शन देने के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है।

योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन @2047 वे अहेड' था. कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये। अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है, हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं।

तमिलनाडु में भी यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

लखनऊ,स्वरूप संवाददाता। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया। इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये। अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। कांफ्रेंस के दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि किस तरह से गंगा यमुना और दूसरी सहायक नदियों को साफ करने का किया जा रहा है। नदियों को साफ करने के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती की जा रही है। गंगा नदी को साफ रखने के लिए बिजनौर से बलिया तक नदी किनारे आने वाले गांवों के लोगों के साथ मिलकर सरकार विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। नदियों को साफ करने के लिए एसटीपी बनाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में एमडी जल निगम ग्रामीण डॉ बलकार सिंह भी मौजूद थे।

गंगा में टेनरियों का पानी गया तो कार्रवाई

जाजमऊ एसटीपी से गंगा में गंदा पानी जाने पर प्रमुख सचिव ने फटकारा

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बुधवार को जाजमऊ एसटीपी से गंगा में गंदा पानी जाने पर जल निगम और केआरएमपीएल कंपनी के प्रतिनिधियों की फटकार लगाई। सख्त हिदायत दी कि माघ मेले के मद्देनजर गंगा में टेनरियों का जहरीला पानी, सीवेज न जाए। लापरवाही होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। पांच छोटे नालों को भी टैप करने का प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते प्रमुख सचिव। संवाद

सर्किट हाउस सभागार में प्रमुख सचिव ने गंगा और इसकी सहायक नदियों में गिर रहे नालों, शोधन व्यवस्था, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) संचालन की समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने कहा कि 25 तारीख से माघ मेला शुरू हो रहा है। गंगा में गंदा पानी न जाने पाए। इस दौरान प्रमुख सचिव को माघ मेले के मद्देनजर नालों के गंदे पानी का बॉयोरेमेडिएशन विधि से शोधन कराने की जानकारी दी गई।

हर घर नल योजना के तहत कराए जा रहे कार्य की प्रगति संतोषजनक न होने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के विरुद्ध जुर्माना लगाते हुए विधिक कार्यवाही की जाए। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह, डीएम विशाख जी, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा में प्रदूषण पर फटकार, टेनरियों की बिजली कटेगी

अमृत विचार के अभियान के बाद प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने पीसीबी, नगर निगम, जलनिगम के अफसरों के कसे पेच

समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। माघ मेले से पहले गंगा में प्रदूषण रोकने को लेकर शासन सख्त हो गया है। अमृत विचार की ओर से गंगा में गिर रहे नालों की हकीकत दिखाने के बाद बुधवार को इसकी सच्चाई जानने प्रमुख सचिव नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव शहर आये। उन्होंने गंगा में बढ़े प्रदूषण को लेकर पीसीबी, नगर निगम, जलनिगम समेत अन्य अफसरों के पेच कसे और सख्ती से नालों को टैप्ड करने के निर्देश दिये। कहा, माघ मेले तक टेनरियों की बिजली कटेगी ताकि प्रदूषित पानी गंगा में न बहाया जा सके।

उन्होंने कार्यों की समीक्षा करते हुये कहा कि टेनरियों के वेस्ट और सीवरेज को गंगा नदी में जाने से रोकने के हर संभव प्रयास किये जाएं। गंगा व उसकी सहायक नदियों में गिर रहे नालों, शोधन व्यवस्था, संचालित एसटीपी को दुरुस्त किया जाए। ताकि माघ मेले में लोग गंगा के शुद्ध पानी में स्नान कर सकें। सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में प्रमुख सचिव के सामने अधिकारियों ने गंगा की अच्छी तस्वीर रखने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि हमें हकीकत पता है। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि नमामि गंगे सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। 25 तारीख से माघ मेला-2024 के स्नान शुरू होने जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि माघ मेले के दौरान वेस्ट वाटर या सीवरेज गंगा में नहीं जाना चाहिए। यही हम लोगों की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यही देखने के लिए हम कानपुर आये हैं और इसके बाद प्रयागराज जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नमामि गंगे के तहत बहुत से कार्य हुए हैं, जिसमें नदी में सीवरेज को रोकने के लिए या इंडस्ट्रियल वेस्ट को रोकने के लिए प्रयास किए गए हैं। उन प्रयासों के तहत कार्य अंतिम चरण में है, कहीं पर कोई कमी न रह जाए, जिससे माघ मेले के दौरान गंगा नदी में प्रदूषित जल जा सके।

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक कर गंगा में हर हाल में प्रदूषण रोकने के निर्देश दिए। अमृत विचार

कहा, गंदा पानी किसी हाल में गंगा में न जाने पाए

माघ मेले तक टेनरियों पर और सख्ती होगी

अफसरों से कहा, हमें हकीकत पता है

1810	करोड़ गंगा सफाई में खर्च किए
418	करोड़ पंपिंग स्टेशन बनाने में खर्च
63	करोड़ से नालों को किया गया टैप
73	लाख हर साल खर्च बायोरेमिडिएशन पर
11	नालों को अबतक किया गया है टैप
05	नाले अभी भी अनटैप, गंगा में गिर रहे

जो कमियां हैं उन्हें करें दूर

प्रमुख सचिव ने कहा कि जो कमियां हैं उनको दूर करें। जो समस्या है, उसका समाधान कराने के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंगा में गिर रहे नालों को शत-प्रतिशत बंद करें। अगर टेनरियों का वेस्ट गंगा में गया तो आप सभी कार्रवाई के लिये तैयार रहें।

हर घर नल योजना की भी समीक्षा की

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर-घर-नल योजना की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि शतप्रतिशत हाउस होल्ड को योजना से कवर किया जाये जिससे योजना के उद्देश्य की पूर्ति हो सके। उन्होंने योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्य की प्रगति संतोषजनक न होने या कार्य गुणवत्तापूर्ण न होने की स्थिति में सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के विरूद्ध पेनाल्टी लगाकर विधिक कार्यवाही के भी निर्देश अधिकारियों को दिये। इस दौरान बैठक में जल निगम (ग्रामीण) एमडी डॉ. बलकार सिंह, जिलाधिकारी विशाख जी, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन सहित सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

12 नाले अब भी कर रहे गंगा को प्रदूषित

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक गंगा में सात सीवेज नाले रानीघाट, परमिया, गोलाघाट, सत्तीचौरा, डबका नाला, मदारपुर नाला, किशनपुर नाला सीधे गिर रहा है। सहायक नदी पांडु नदी में पांच सीवेज नाले गंदा नाला, हलवाखेड़ा, अर्रा नाला, सागरपुरी नाला, पिपौरी नाला गिर रहा है। यहां वर्षा ऋतु से बायोरेमिडियेशन कार्य बंद है। शहर के अलग-अलग जगहों में गंगा से मिलने वाले कुल 16 नाले हैं। इनमें से 9 नालों को पूरी तरह से टैप्ड कर दिया गया है। जबकि दो आंशिक रूप से बंद है, वहीं पांच नाले अभी भी अंटैप्ड है। अंटैप्ड नालों को जैविक विधि से शोधन कर गंगा नदी में छोड़ा जा रहा है।

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे अफसरों पर हुए नाराज, बोले-

माघ मेले के दौरान गंगा में कहीं भी गंदगी दिखी तो जेल भेज दूंगा

सख्ती

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। माघ मेले के दौरान अगर गंगा में गंदगी गई या दिखाई दी तो कार्यदाई संस्था बर्खास्त होगी। लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। अधिकारियों को जेल भेजा जाएगा। इसलिए पहले से तैयारी पूरी कर लें। गंगा की अविरलता व निर्मलता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। बंदी के दौरान टेनरियां चलती मिलीं तो सीधे कार्रवाई होगी। यह सख्त निर्देश प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर कहीं भी गंगा की अविरलता को लेकर खिलवाड़ मिले तो डीएम कार्रवाई करें। उनको पूरा अधिकार है।

नाला गिरता मिला तो खैर नहीं : सर्किट हाउस में बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने कहा, अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कमी नहीं रहनी चाहिए। गंगा में एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं। जलनिगम एमडी बलकार सिंह, विशाख जी, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन व क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अमित मिश्रा रहे।

बुधवार को सर्किट हाउस में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की बैठक में मौजूद प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव व अन्य।

31 जनवरी को चालू होंगे दो ट्रीटमेंट प्लांट

प्रमुख सचिव ने जाजमऊ में जेटेटा और 130 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इसका काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। प्रमुख सचिव ने कहा कि 31 जनवरी तक दोनों ट्रीटमेंट प्लांट चालू हो जाएगा।

रेमेडिएशन सिस्टम न चलने पर नाराजगी

प्रमुख सचिव ने गंगा व पांडु नदी में गिर रहे नाले और बायो रेमेडिएशन सिस्टम न चलने पर भी नाराजगी जाहिर की। कहा पनका नाले का स्थायी टैपिंग का रास्ता निकाला जाए। बाकी नालों को टैप कर जलनिगम के अफसर करें।

कनेक्शन न देने पर एसडीओ पर कार्रवाई : जाजमऊ में बन रहे जेटेटा के 20 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट की बिजली लाइन न खिंचने और कनेक्शन न मिलने पर प्रमुख सचिव बिफर पड़े। बोले 13 करोड़ रुपये तीन महीने पहले दे दिए गए हैं। फिर भी 3 माह से कनेक्शन नहीं हुआ। इसलिए एसडीओ के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति करें। केस्को के अफसर बैठक में ठीक से जानकारी नहीं दे सके। इसलिए प्रमुख सचिव ने काफी नाराजगी जाहिर की।

कंपनी को चेतावनी, चलाना होगा जनरेटर : ट्रीटमेंट प्लांट की बिजली कटने और बिल का भुगतान न करने पर प्रमुख सचिव ने कानपुर रिवर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को आड़े हाथ लिया। कहा बिजली चले जाने पर कंपनी डीजल सेट चलाकर गंगा में गिरने वाली गंदगी को रोकेगी। न चलने पर कंपनी पर कार्रवाई होगी। प्रमुख सचिव ने कहा केस्को 200 करोड़ के बकाये पर जलनिगम व कंपनी का बिल अलग-अलग बनाकर दे।

पांडु नदी में बिना ट्रीट किए गिर रहे तीन नाले

जासं, कानपुर : माघ मेला में गंगा को अविरल और निर्मल रखने की कवायद चल रही है। नगर निगम गंगा और पांडु नदी में सीधे गिर रहे नौ नालों के दूषित पानी को बायोरेमिडेशन पद्धति (जैविक उपचार) से ट्रीट करके डाल रहा है। सर्वे में तीन और नाले अर्रा, सागरपुरी और पिपौरी नाला पांडु नदी में गिरता मिला है।

नगर निगम गंगा में सीधे गिर रहे गोलाघाट नाला, सत्ती चौराहा नाला, डबका नाला, मदारपुर नाला, किशनपुर नाला, रानी घाट नाला व परमिया नाला और पांडु नदी में गिर रहे हलवा खाड़ा और गंदा नाला का दूषित पानी बायोरेमिडेशन से ट्रीट कर रहा है। रोज 30 हजार रुपये से नालों के दूषित पानी को ट्रीट करके डाला जा रहा है। नगर निगम के पर्यावरण अभियंता आरके पाल ने बताया कि गंगा और पांडु नदी में गिर रहे नौ नालों के दूषित पानी को ट्रीट किया जा रहा है। बाकी नालों के दूषित पानी को भी ट्रीट किया जाएगा।

सर्किट हाउस में हुई समीक्षा बैठक में उपस्थित (दाएं से) नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, डीएम विशाख जी व अन्य अधिकारी ● जागरण

गंगा में किसी सूरत में न पहुंचे दूषित पानी : प्रमुख सचिव

जासं, कानपुर : नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बुधवार को सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि नमामि गंगे मिशन अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अब किसी भी सूरत में गंगा तक प्रदूषित पानी या अपशिष्ट नहीं पहुंचना चाहिए।

गंगा और उसकी सहायक नदियों में गिर रहे नालों और अपशिष्ट जल शोधन व्यवस्था की समीक्षा करने पहुंचे प्रमुख सचिव ने कहा कि 25 जनवरी से माघ मेला शुरू होने जा रहा है। सीवरेज गंगा में नहीं जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में नमामि गंगे के तहत सीवरेज व औद्योगिक अपशिष्ट रोकने के बड़े प्रयास किए गए हैं। बैठक में जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डा. बलकार सिंह, डीएम विशाख जी, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन रहे।

गंगा में प्रदूषण मिलने पर बर्खास्त होंगी कार्यदाई संस्थाएं, अधिकारी जाएंगे जेल

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर। माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदाई संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदाई संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प

को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली. उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रयागराज और कानपुर में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये। उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किये जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की। नमामि गंगे योजना के तहत चल रहे कार्यों के साथ सीसीमऊ एसटीपी के संचालन की भी जानकारी ली। इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है इसका भी उन्होंने मोआयना किया।

बिजली चले जाने पर भी गंगा में नहीं गिरेगी गंदगी

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा स्वच्छता कार्यक्रम में लगी कम्पनियों पर भी सख्ती करते हुए गंगा में गंदगी को गिरने से रोकने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने कहा है कि बिजली चले जाने पर कम्पनियां डीजल सेट चलाकर गंगा में गिरने वाली गंदगी को रोकेंगी। उन्होंने कहा कि नदी में सीवरेज को रोकने के काफी प्रयास किये गये हैं।

राममय माहौल में जल जीवन मिशन का माघ मेला में होगा श्री गणेश

माघ मेला में जल जीवन मिशन के पंडाल में दिखेगी जलक्रांति की झांकी

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस पंडाल में तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है. राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी। उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है। हम दो करोड़ कनेक्शन के आंकड़े को प्राप्त कर चुके हैं. अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हमारा पंडाल, माघ मेला में शुरू होगा।

राममय माहौल में पंडाल का आज होगा श्री गणेश

ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था में आई क्रांति का झांकी के जरिए किया जायेगा प्रदर्शन

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस पंडाल में अनेक खासियत हैं। जिनको निहार कर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के पंडाल का एक विहंगम दृश्य।

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुँचा नल से जल : उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है। राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75% ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी। उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75% पूरा हो चुका है। हम दो करोड़ कनेक्शन के आंकड़े को प्राप्त कर चुके हैं।

राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का आज होगा शुभारंभ

लखनऊ, लोकसत्य

जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या का निदान किया जा रहा है। जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों में जलापूर्ति कर उनके जीवन में बदलाव के लिए प्रयासरत है। जिसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में लगाई गई है, साथ ही रामायण व प्राण प्रतिष्ठा द्रश्यों को भी लाइव दिखया जाएगा। मेले में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र होगा। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

समारोह के मौके पर सोमवार को मेले में पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे के आयोजन के साथ ही आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण होगा। उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75 फीसदी पूरा हो चुका है।

Lucknow 22-01-2024

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा

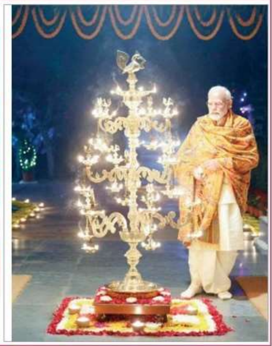

श्री रामजन्मभूमि स्थित श्रीराम की प्रतिष्ठा कार्य के अन्तर्गत रविवार को देश के विभिन्न मंदिरों में पूजा पाठ की गई। इसी क्रम में पहले चित्र में अयोध्या में सरयू नदी के किनारे दीपोत्सव मनाते श्रद्धालु। दूसरे चित्र में प्रयागराज में आयोजित माघ मेले में जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गए पंडाल में दीपोत्सव मनाते श्रद्धालु। तीसरे चित्र में अपने घर पर दीपोत्सव मनाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

हिन्दुस्तान

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

-मुख्यमंत्री ने दी बधाई, योजना के लिए पीएम का जताया आभार

हिन्दुस्तान

यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों को नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में यूपी 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी बधाई दी है। सीएम ने प्रदेशवासियों की ओर से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन

प्रदेश में दो करोड़ 63 लाख 48 हजार 443 परिवारों को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक एक करोड़ 97 लाख 90 हजार 921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। इससे प्रदेश के 10 करोड़ से अधिक ग्रामीणों के लाभांवित होने का दावा किया गया है।

पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में यूपी वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

अमर उजाला

Jal Jeevan Mission : यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल, सीएम योगी ने पीएम मोदी का जताया आभार

उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवारों को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। - फोटो : अमर उजाला

यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वाहन किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं।

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवारों को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभांवित हो चुके हैं।

पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

मई में 12 लाख 93 हजार नल कनेक्शन दिये थे

यूपी मई 2023 में 12 लाख 93 हजार से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजार, हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

जागरण

उत्तर प्रदेश के 75 फीसद ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है।

नल से शुद्ध जल की आपूर्ति (जागरण फोटो)

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उत्तर प्रदेश 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। राज्य के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

1,97,90,921 घर को दिया नल कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में 2,63,48,443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 1,97,90,921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं, जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 11,87,45,526 ग्रामीण लाभांवित हो चुके हैं।

पहले तोड़े कई रिकॉर्ड

हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकॉर्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए, जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

NEWSTRACK
JUST JOURNALISM...

UP के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल, CM योगी ने दी बधाई, योजना के लिए प्रधानमंत्री का जताया आभार

Nal Se Jal: उत्तर प्रदेश में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है।

UP के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल (Social Media)

Jal Jeevan Mission: यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (CM Yogi Adityanath) ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत (Gajendra Singh Shekhawat) ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह (Swatantra Dev Singh) ने शुभकामनाएं दी हैं।

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभान्वित हो चुके हैं।

पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

मई में 12 लाख 93 हजार नल कनेक्शन दिये थे

यूपी मई 2023 में 12 लाख 93 हजार से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजार, हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

दैनिक भास्कर
BHASKARHINDI.COM

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

लखनऊ, 17 जनवरी (आईएएनएस)। यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति पहुंचा दी गई है।

बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश में 2,63,48,443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 1,97,90,921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं, जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 11,87,45,526 ग्रामीण लाभान्वित हो चुके हैं।

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल, मुख्यमंत्री ने दी बधाई, योजना के लिए पीएम का जताया आभार

लखनऊ : यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्रियों ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वाहन किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं।

Yogi Adityanath @myogiadityanath · Follow

यह उत्साहवर्धक उपलब्धि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के यशस्वी मार्गदर्शन और @UPGovt के कर्मठ कार्मिकों के अथक परिश्रम का प्रतिफल है।

प्रदेश वासियों को बधाई!

अतिशीघ्र हम प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार को 'नल कनेक्शन' से आच्छादित करने के लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।... Show more

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश @upswsm ·

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश नित नए आयाम छू रहा है। 'हर घर जल' योजना में अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ते हुए उत्तर प्रदेश ने हासिल की बड़ी उपलब्धि। 75% से...

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभांवित हो चुके हैं।

पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

मई में 12 लाख 93 हजार नल कनेक्शन दिये थे

यूपी मई 2023 में 12 लाख 93 हजार से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजार, हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

अमर उजाला
गांव जंक्शन

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल: जल जीवन मिशन में यूपी की लंबी छलांग

उत्तर प्रदेश ने जल जीवन मिशन के तहत 75 फीसदी नल कनेक्शन देने के लक्ष्य को पार कर लिया है। भारत सरकार की तरफ से जारी रेटिंग में उत्तर प्रदेश उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है जहां 75 फीसदी नल कनेक्शन दिए गए हैं। इस उपलब्धि पर सीएम योगी ने बधाई दी है।

लक्ष्य के सापेक्ष 75.11 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल - फोटो : सूचना विभाग, उप्र

जल जीवन मिशन के अंतर्गत लंबी छलांग लगाते हुए उत्तर प्रदेश में 75 फीसदी ग्रामीणों तक नल से जल पहुंचाने का काम पूरा कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश में कुल 2,63,48,443 परिवारों को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक लक्ष्य के सापेक्ष 1,97,90,921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। यह लक्ष्य का 75.11 फीसदी है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 11,87,45,526 ग्रामीण इस योजना से लाभांवित हो चुके हैं। उन्हें शुद्ध पेय जल की आपूर्ति हो रही है।

पांच जिलों में सर्वाधिक कनेक्शन

यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये। इनमें सीतापुर साल भर में 3 लाख 68 हजार कनेक्शन के साथ पहले नंबर पर रहा। इसके अलावा हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर में 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये।

समय से पहले लक्ष्य का 119 फीसदी हासिल

हर घर नल योजना में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर भी रिकार्ड कायम किया था। इस वित्तीय वर्ष में यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1, 1, 10,000 नल कनेक्शन दिए। यह लक्ष्य की तुलना में 119 फीसदी होता है।

सीएम योगी ने कहा जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ें

राज्य की इस उपलब्धि पर सीएम योगी ने बधाई देते हुए जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने के लिए कहा है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बधाई दी है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

जल जीवन मिशन : यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल, CM योगी ने दी बधाई, PM का जताया आभार

लखनऊ, अमृत विचार। यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है।

19790921 घर को दिया नल कनेक्शन

उत्तर प्रदेश में 26348443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 19790921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 118745526 ग्रामीण लाभान्वित हो चुके हैं।

योगी के यूपी ने पहले तोड़े कई रिकार्ड

हर घर नल योजना में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकार्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 3 माह पहले ही 1 करोड़ 1 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए। जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

यूपी के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई, योजना के लिए पीएम का जताया आभार

लखनऊ, 17 जनवरी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति से जोड़ दिया गया है। बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, जल्द पूरा करें लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है।

1,97,90,921 घर को दिया नल कनेक्शन

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 2,63,48,443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 1,97,90,921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 11,87,45,526 ग्रामीण लाभान्वित हो चुके हैं।

योगी के यूपी ने पहले तोड़े कई रिकॉर्ड

हर घर नल योजना में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक करोड़ से अधिक नल कनेक्शन देकर नया रिकॉर्ड कायम कर चुका है। यूपी को 85 लाख नल कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था। जिसके मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने 03 माह पहले ही 01 करोड़ 01 लाख 10 हजार नल कनेक्शन दिए, जो लक्ष्य से 119 प्रतिशत अधिक था।

मई में 12.93 लाख नल कनेक्शन दिये थे

यूपी मई 2023 में 12.93 लाख से अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बना था। यही नहीं, यूपी के पांच जिलों में सर्वाधिक नल कनेक्शन दिये गये थे। इनमें सीतापुर पहले नम्बर रहा। जहां साल भर में 3 लाख 68 हजार, हरदोई में 3 लाख, लखीमपुर खीरी में 2 लाख 93 हजार, प्रतापगढ़ में 2 लाख 70 हजार और जौनपुर 2 लाख 49 हजार नल कनेक्शन दिये गये थे।

हिन्दुस्थान समाचार/दिलीप शुक्ल/आकाश

सहारा समय LIVE

UP के 75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल

January 17, 2024

यूपी में ग्रामीणों को शुद्ध पानी मुहैया कराने में जल जीवन मिशन ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य के 75 प्रतिशत ग्रामीणों तक नल से शुद्ध जल की आपूर्ति पहुंचा दी गई है।

बुधवार को भारत सरकार की रेटिंग में उप्र 75 प्रतिशत नल कनेक्शन देने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि को हासिल करने पर कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों की तरफ से जल जीवन मिशन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर जल्द से जल्द बाकी गांवों को नल कनेक्शन से जोड़ने का आह्वान किया है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसे यूपी की बड़ी उपलब्धि बताते हुए बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश में 2,63,48,443 परिवार को शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। बुधवार तक 1,97,90,921 घरों को नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं, जो लक्ष्य का 75.11 प्रतिशत है। एक परिवार में कम से कम छह सदस्य होने का अनुमान है। इस लिहाज से तकरीबन 11,87,45,526 ग्रामीण लाभान्वित हो चुके हैं।

NBT
नवभारत टाइम्स
Hindi

तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

लखनऊ : जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कॉन्फ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किए। अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है। हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी, वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

Conference: तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

Conference: ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

Principal Secretary of Rural Water Supply Department Anurag Srivastava (Pic: Newstrack)

Conference: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं। इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र को चुना गया

प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ-साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन/2047 वे अहेड' था। कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर विचार विमर्श किया गया।

पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी

उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये। कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है, हमको जल संरक्षण, जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

NATIONAL NEWS VISION

तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है.

प्रमुख सचिव ने बताया पानी की समस्या वाले बुंदेलखंड और विंध्य में कैसे पहुंची हर घर नल योजना
कांफ्रेंस के पहले सत्र की यूपी ने की अध्यक्षता

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी।

आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन @2047 वे अहेड' था. कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया.

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये.

अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी.

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं.

उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

इस वर्कशॉप में इन सारी बातों के इतर उत्तर प्रदेश में हर घर नल से जल योजना के तहत 2 करोड़ घरों में पानी का कनेक्शन देने के रिकॉर्ड को लेकर खूब चर्चा हुई.

समर सलिल
www.samarsaleel.com

तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये। अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

इस वर्कशॉप में इन सारी बातों के इतर उत्तर प्रदेश में हर घर नल से जल योजना के तहत 2 करोड़ घरों में पानी का कनेक्शन देने के रिकॉर्ड को लेकर खूब चर्चा हुई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभाग के अधिकारियों ने जिस तरह से इसमें अपना योगदान देते हुए उत्तर प्रदेश के लाखों गांवों तक पानी का कनेक्शन पहुंचा दिया उसकी खूब सराहना की गई है।

हर घर नल से जल योजना के तहत उत्तर प्रदेश अब तक 75% लक्ष्य को प्राप्त कर चुका है. हाल ही में यूपी में 2 करोड़ कनेक्शन देने का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

उदयपुर किरण

तमिलनाडु में भी उप्र के दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

-प्रमुख सचिव ने बताया बुंदेलखंड और विंध्य में कैसे पहुंची हर घर नल योजना

Lucknow, 23 जनवरी . जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में Uttar Pradesh के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम Tamil Nadu तक पहुंच गई है. Tamil Nadu के महाबलीपुरम में Tuesday से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए Uttar Pradesh नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि उप्र ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया.

कांफ्रेंस में प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया. इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी. आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है. योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है. इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन-2047 वे अहेड' था. कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया.

कार्यक्रम में Uttar Pradesh के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं.

उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर Uttar Pradesh लगातार अभियान चला रहा है. स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है. इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है.

विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्कशॉप में इन सारी बातों के इतर Uttar Pradesh में हर घर नल से जल योजना के तहत दो करोड़ घरों में पानी का कनेक्शन देने के रिकॉर्ड को लेकर खूब चर्चा हुई. उन्होंने बताया कि Chief Minister योगी आदित्यनाथ और विभाग के अधिकारियों ने जिस तरह से इसमें अपना योगदान देते हुए Uttar Pradesh के लाखों गांवों तक पानी का कनेक्शन पहुंचा दिया उसकी खूब सराहना की गई है. हर घर नल से जल योजना के तहत Uttar Pradesh अब तक 75 प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर चुका है. हाल ही में यूपी में 2 करोड़ कनेक्शन देने का आंकड़ा भी पार कर लिया है.

live VNS

तमिलनाडु में भी उप्र के दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

-प्रमुख सचिव ने बताया बुंदेलखंड और विंध्य में कैसे पहुंची हर घर नल योजना

लखनऊ, 23 जनवरी (हि.स.)। जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि उप्र ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

कांफ्रेंस में प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन-2047 वे अहेड' था। कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये। अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्कशॉप में इन सारी बातों के इतर उत्तर प्रदेश में हर घर नल से जल योजना के तहत दो करोड़ घरों में पानी का कनेक्शन देने के रिकॉर्ड को लेकर खूब चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभाग के अधिकारियों ने जिस तरह से इसमें अपना योगदान देते हुए उत्तर प्रदेश के लाखों गांवों तक पानी का कनेक्शन पहुंचा दिया उसकी खूब सराहना की गई है। हर घर नल से जल योजना के तहत उत्तर प्रदेश अब तक 75 प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर चुका है। हाल ही में यूपी में 2 करोड़ कनेक्शन देने का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

जैविक खेती से साफ हो रही नदियां

कांफ्रेंस के दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि किस तरह से गंगा यमुना और दूसरी सहायक नदियों को साफ करने का किया जा रहा है। नदियों को साफ करने के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती की जा रही है। गंगा नदी को साफ रखने के लिए बिजनौर से बलिया तक नदी किनारे आने वाले गांवों के लोगों के साथ मिलकर सरकार विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। नदियों को साफ करने के लिए एसटीपी बनाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में एमडी जल निगम ग्रामीण डॉ बलकार सिंह भी मौजूद थे।

हिन्दुस्थान समाचार /पीएन द्विवेदी

MEDIA HOUSE
सर्वाधिक लोकप्रिय - खबरों में सबसे अलग

तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी

मीडिया हाउस न्यूज एजेन्सी लखनऊ- देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है. तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया।

इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन @2047 वे अहेड' था. कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया.

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये. श्री अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।

DESH KI UPASANA

Tag: दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज*

तमिलनाडु में भी योगी के यूपी की धूम, दो करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की सुनाई दी गूंज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शानदार नेतृत्व में जिस तरह से हर घर नल से जल योजना में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दो करोड़ कनेक्शन किए गए हैं, इस अचंभित करने वाले रिकॉर्ड की धूम तमिलनाडु तक पहुंच गई है. तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मंगलवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कांफ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश नमामि गंगे एवम ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यूपी ने कैसे इतने कम समय में दो करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया। इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि बड़ा प्रदेश होने के नाते पहले बुदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में परियोजना को शुरू किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में पहले पानी की समस्या बहुत अधिक थी। आज बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के 90 प्रतिशत से अधिक घरों में नल से पानी की सप्लाई हो रही है। योजना के तहत नल से घर पहुंचाने के साथ साथ ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने और नदियों को साफ करने का काम किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस का विषय 'वाटर विजन @2047 वे अहेड' था. कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य योजनाओं पर हुआ विचार विमर्श किया गया.

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव ने संबोधित किया. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के असर, जल संरक्षण जलापूर्ति व पानी के भविष्य को लेकर योजनायें बनाने के विचार विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किये. श्री अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन का असर जल प्रबंधन पर भी पड़ा है हमको जल संरक्षण जलापूर्ति और पानी के भविष्य को लेकर योजनाएं बनानी होंगी. उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बात पर बल देते हैं कि जल संरक्षण और जलापूर्ति के मुद्दे पर हमको जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखनी होगी वरना सारे प्रयास बेकार हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि पानी के संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश लगातार अभियान चला रहा है। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण, पानी के इस्तेमाल और पेय जल की उपलब्धता को लेकर जल ज्ञान यात्रा चलाई जा रही है। इसके अलावा आम लोगों को भी जल संरक्षण, जल संचयन के प्रति विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है।
इस वर्कशॉप में इन सारी बातों के इतर उत्तर प्रदेश में हर घर नल से जल योजना के तहत 2 करोड़ घरों में पानी का कनेक्शन देने के रिकॉर्ड को लेकर खूब चर्चा हुई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभाग के अधिकारियों ने जिस तरह से इसमें अपना योगदान देते हुए उत्तर प्रदेश के लाखों गांवों तक पानी का कनेक्शन पहुंचा दिया उसकी खूब सराहना की गई है. हर घर नल से जल योजना के तहत उत्तर प्रदेश अब तक 75% लक्ष्य को प्राप्त कर चुका है. हाल ही में यूपी में 2 करोड़ कनेक्शन देने का आंकड़ा भी पार कर लिया है.

जैविक खेती से साफ हो रही नदियां
कांफ्रेंस के दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि किस तरह से गंगा यमुना और दूसरी सहायक नदियों को साफ करने का किया जा रहा है। नदियों को साफ करने के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती की जा रही है। गंगा नदी को साफ रखने के लिए बिजनौर से बलिया तक नदी किनारे आने वाले गांवों के लोगों के साथ मिलकर सरकार विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। नदियों को साफ करने के लिए एसटीपी बनाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में एमडी जल निगम ग्रामीण डॉ बलकार सिंह भी मौजूद थे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

प्रयागराज: प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए जल जीवन मिशन के पंडाल में हुई भव्य व्यवस्था, जनता यहां से देखेगी Live प्रसारण

राममय हुआ माघ मेला क्षेत्र, पंडाल के शुभारंभ के बाद आठ led स्क्रीन पर दिखाई जाएगी रामायण, सुंदरकांड का होगा पाठ

प्रयागराज। अवध नगरी में राम मंदिर निर्माण के बाद आज देश ही नहीं विदेश भी राम मय हो चुका है। राम मंदिर में भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी को लेकर लोगों के मन में वहां के अलौकिक दृश्य को देखने के लिए सभी की आंखे आतुर है। इसके लिए संगम नगरी प्रयागराज में बने जल जीवन मिशन के पंडाल में भव्य व्यवस्था की गयी है। जिसका शुभारम्भ सोमवार यानी 22 जनवरी को किया जाएगा। जहां से प्रयागराज की जनता सीधा लाइव प्रसारण देख सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक पहल ने पूरे देश को राम भक्ति के एक सूत्र में बांधने का काम किया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा।

जिनको निहार कर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी सोमवार के दिन इस पंडाल का श्री होगा किया जायेगा। जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुंचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है। राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है. जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी।

एआई के जरिए पीएम और सीएम के साथ सेल्फी ले सकेंगे लोग

एआई के जरिए जल जीवन मिशन के पंडाल में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सेल्फी लेने का अद्भुत अवसर भी यहां आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा। जल जीवन मिशन के पंडाल में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए सेल्फी लेने की व्यवस्था की गई है। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न होते हुए भी सबके साथ होंगे।

भारत समाचार

राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में हुआ श्री गणेश,एआई के जरिए पीएम और सीएम के साथ ले सकेंगे सेल्फी

डेस्क : प्रयागराज माघ मेला में जल जीवन मिशन के पंडाल के जरिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था में आई क्रांति का झांकी के जरिए करेगा प्रदर्शन।पंडाल के शुभारंभ के मौके पर आठ एलईडी स्क्रीन पर दिखाई जाएगी रामायण, प्राण प्रतिष्ठा समारोह की होगी लाइव स्ट्रीमिंग, पंडाल में किया जाएगा सुंदरकांड का पाठ और फिर होगा भंडारा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है. किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी. जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा.

इस पंडाल में अनेक खासियत हैं. जिनको निहार कर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे. अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा. जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा. इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी. जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा. इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा.

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुँचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है. राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75% ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है. जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी.

उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है. जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75% पूरा हो चुका है. हम दो करोड़ कनेक्शन के आंकड़े को प्राप्त कर चुके हैं. अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हमारा पंडाल, माघ मेला में शुरू होगा. जहां हम जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल, अमृत सरोवर और ऐसी ही अपनी अन्य योजनाओं के मॉडल का प्रदर्शन करेंगे. इसके साथ ही नदियों के संरक्षण, गंगा संरक्षण पर भी विशेष मॉडल देखने को मिलेंगे.

जागरण

Jal Jeevan Mission: राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में कल होगा श्री गणेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी।

Jal Jeevan Mission: राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में कल होगा श्री गणेश

डिजिटल डेस्क, लखनऊ/प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस पंडाल में अनेक खासियत हैं। जिनको निहार कर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा।

इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुँचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है। राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75% ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी।

उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75% पूरा हो चुका है। हम दो करोड़ कनेक्शन के आंकड़े को प्राप्त कर चुके हैं।

अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हमारा पंडाल, माघ मेला में शुरु होगा। जहां हम जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल, अमृत सरोवर और ऐसी ही अपनी अन्य योजनाओं के मॉडल का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही नदियों के संरक्षण, गंगा संरक्षण पर भी विशेष मॉडल देखने को मिलेंगे।

हिन्दुस्थान समाचार
स्थापित – 1948
सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी न्यूज एजेंसी
Hindusthan Samachar

माघ मेला : राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का सोमवार को होगा श्री गणेश

प्रयागराज, 21 जनवरी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को कम किया जा रहा है। जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में किस तरह बदलाव ला रहा है, उसकी झांकी माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस पंडाल में यहां आने वाले तीर्थयात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से रूबरू होंगे। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद भंडारे का आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुंचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है। राज्य सरकार की इस कामयाबी से उत्तर प्रदेश के 75 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी झांकी माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी।

उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है। जल जीवन मिशन के तहत उप्र के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है। हम दो करोड़ कनेक्शन प्राप्त कर चुके हैं।

एआई के जरिए पीएम और सीएम के साथ सेल्फी ले सकेंगे लोग

एआई के जरिए जल जीवन मिशन के पंडाल में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सेल्फी लेने का अद्‌भुत अवसर भी यहां आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा। जल जीवन मिशन के पंडाल में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए सेल्फी लेने की व्यवस्था की गई है।

हर घर नल से जल योजना का मॉडल विलेज करेगा आकर्षित

इस पंडाल में हर घर नल से जल योजना के मॉडल विलेज को भी प्रदर्शित किया गया है, जिसके जरिए बताया गया है कि किस तरह एक आदर्श गांव में हर घर नल से जल योजना प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति कर रही है। किस तरह से एक गांव में टंकी के माध्यम से शुद्ध पेयजल हर घर को पहुंचाया जा रहा है और व्यवस्थित सड़के गांव में नजर आ रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत जल संरक्षण की जागरूकता के प्रयास से कैसे ग्रामीण न केवल शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लाभ उठा रहे हैं बल्कि जल संरक्षण में मदद भी कर रहे हैं।

NEWSTRACK
JUST JOURNALISM...

Magh Mela: राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में 22 जनवरी को होगा श्री गणेश

Magh Mela: प्रयागराज माघ मेला में जल जीवन मिशन के पंडाल के जरिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था में आई क्रांति का झांकी के जरिए करेगा प्रदर्शन । पंडाल के शुभारंभ के मौके पर आठ एलईडी स्क्रीन पर दिखाई जाएगी। रामायण, प्राण प्रतिष्ठा समारोह की होगी लाइव स्ट्रीमिंग, पंडाल में किया जाएगा सुंदरकांड का पाठ और फिर भंडारे का भव्य आयोजन होगा।

Lucknow/Prayagraj: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस पंडाल में अनेक खासियत हैं। जिनको निहार कर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुँचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है। राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75 फ़ीसदी ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी। उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह ने बताया कि इस पंडाल का सबसे बड़ा उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना है। जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है। हम दो करोड़ कनेक्शन के आंकड़े को प्राप्त कर चुके हैं। अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हमारा पंडाल, माघ मेला में शुरू होगा। जहां हम जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल, अमृत सरोवर और ऐसी ही अपनी अन्य योजनाओं के मॉडल का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही नदियों के संरक्षण, गंगा संरक्षण पर भी विशेष मॉडल देखने को मिलेंगे।

‘जय श्री राम’ के उद्घोष के साथ जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में हुआ शुभारंभ।

- **पंडाल के शुभारंभ के मौके पर आठ एलईडी स्क्रीन पर रामायण का प्रदर्शन, प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग, पंडाल में किया गया सुंदरकांड का पाठ और भंडारा**

Prayagraj,up: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी।

> *माघ मेले में पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बन गया है।*

अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार को जल जीवन मिशन के पंडाल का श्री गणेश किया गया। पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की गई।
जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन हुआ और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान जल जीवन मिशन का पंडाल जय श्री राम के उद्घोष से गूंजता रहा। जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के कार्यकारी निदेशक बृजराज यादव ने विधि विधान के साथ इस पंडाल का शुभारंभ किया।

> *शुभारंभ के मौके पर राममय हुआ पंडाल*

जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के पंडाल का माघ मेले में सोमवार को जब श्री गणेश हुआ तो अयोध्या में श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा का अद्भुत अवसर भी साथ ही था। इस अवसर पर पंडाल के सभी आठों में विशाल एलईडी स्क्रीन पर सुबह 8:00 से धारावाहिक रामायण का प्रसारण किया गया। इसके बाद इन स्क्रीन्स पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। यहां आए हजारों श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने।

> *हर घर नल से जल योजना का मॉडल विलेज कर रहा आकर्षित*

इस पंडाल में हर घर नल से जल योजना के मॉडल विलेज को भी प्रदर्शित किया गया है, जिसके जरिए यह बताया गया है कि किस तरह से एक आदर्श गांव में हर घर नल से जल योजना प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति कर रही है। किस तरह से एक गांव में टंकी के माध्यम से शुद्ध पेयजल हर घर को पहुंचाया जा रहा है और व्यवस्थित सड़के गांव में नजर आ रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत जल संरक्षण की जागरूकता के प्रयास से कैसे ग्रामीण न केवल शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लाभ उठा रहे हैं बल्कि जल संरक्षण में मदद भी कर रहे हैं। इन सारे बिंदुओं को बहुत ही सार्थक तरीके से इस मॉडल विलेज में दर्शाया गया है।

जागरण

'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में हुआ शुभारंभ

अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार को जल जीवन मिशन के पंडाल का श्री गणेश किया गया। पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की गई।

जय श्री राम के उद्घोष के साथ जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में हुआ शुभारंभ

डिजिटल डेस्क, लखनऊ/प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार को जल जीवन मिशन के पंडाल का श्री गणेश किया गया। पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की गई।

जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन हुआ और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान जल जीवन मिशन का पंडाल जय श्री राम के उद्घोष से गूंजता रहा। जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के कार्यकारी निदेशक बृजराज यादव ने विधि विधान के साथ इस पंडाल का शुभारंभ किया।

शुभारंभ के मौके पर राममय हुआ पंडाल

जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के पंडाल का माघ मेले में सोमवार को जब श्री गणेश हुआ तो अयोध्या में श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा का अद्भुत अवसर भी साथ ही था। इस अवसर पर पंडाल के सभी आठों में विशाल एलईडी स्क्रीन पर सुबह 8:00 से धारावाहिक रामायण का प्रसारण किया गया। इसके बाद इन स्क्रीन्स पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। यहां आए हजारों श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने।

NBT नवभारत टाइम्स
Hindi

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और प्रयागराज माघ मेला में राममय माहौल, देखिए जल जीवन मिशन का पंडाल

Edited By अजयेंद्र राजन शुक्ला | नवभारतटाइम्स.कॉम | Updated: 22 Jan 2024, 9:34 am

प्रयागराज माघ मेला में जल जीवन मिशन का पंडाल

लखनऊ/प्रयागराज: जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी। जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस पंडाल में अनेक खासियत हैं। जिन्हें निहारकर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा। जहां सुबह 8 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी। जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुंचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है। राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75% ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी।

NEWSTRACK
JUST JOURNALISM...

Prayagraj Magh Mela: 'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में हुआ शुभारंभ

Prayagraj Magh Mela: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी।

Lucknow/Prayagraj: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है। किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी।

प्रयागराज के माघ मेले में पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बन गया है। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार को जल जीवन मिशन के पंडाल का श्री गणेश किया गया। पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया. इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की गई।

जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया. इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन हुआ और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान जल जीवन मिशन का पंडाल जय श्री राम के उद्घोष से गूंजता रहा. जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के कार्यकारी निदेशक बृजराज यादव ने विधि विधान के साथ इस पंडाल का शुभारंभ किया।

शुभारंभ के मौके पर राममय हुआ पंडाल

जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के पंडाल का माघ मेले में सोमवार को जब श्री गणेश हुआ तो अयोध्या में श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा का अद्भुत अवसर भी साथ ही था. इस अवसर पर पंडाल के सभी आठों में विशाल एलईडी स्क्रीन पर सुबह 8:00 से धारावाहिक रामायण का प्रसारण किया गया. इसके बाद इन स्क्रीन्स पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। यहां आए हजारों श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने.

NATIONAL NEWS VISION

‘जय श्री राम’ के उद्घोष के साथ जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में हुआ शुभारंभ

लखनऊ/प्रयागराज: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है. किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी.

प्रयागराज माघ मेला में जल जीवन मिशन के पंडाल के जरिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था में आई क्रांति झांकी का प्रदर्शन

प्रयागराज के माघ मेले में पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बन गया है. अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार को जल जीवन मिशन के पंडाल का श्री गणेश किया गया।

पंडाल के शुभारंभ के मौके पर आठ एलईडी स्क्रीन पर रामायण का प्रदर्शन, प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग, पंडाल में किया गया सुंदरकांड का पाठ और भंडारा

पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया. इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की गई.

जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया. इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन हुआ और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान जल जीवन मिशन का पंडाल जय श्री राम के उद्घोष से गूंजता रहा. जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के कार्यकारी निदेशक बृजराज यादव ने विधि विधान के साथ इस पंडाल का शुभारंभ किया.

शुभारंभ के मौके पर राममय हुआ पंडाल

जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के पंडाल का माघ मेले में सोमवार को जब श्री गणेश हुआ तो अयोध्या में श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा का अद्भुत अवसर भी साथ ही था. इस अवसर पर पंडाल के सभी आठों में विशाल एलईडी स्क्रीन पर सुबह 8:00 से धारावाहिक रामायण का प्रसारण किया गया. इसके बाद इन स्क्रीन्स पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। यहां आए हजारों श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने.

हर घर नल से जल योजना का मॉडल विलेज कर रहा आकर्षित

इस पंडाल में हर घर नल से जल योजना के मॉडल विलेज को भी प्रदर्शित किया गया है, जिसके जरिए यह बताया गया है कि किस तरह से एक आदर्श गांव में हर घर नल से जल योजना प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति कर रही है. किस तरह से एक गांव में टंकी के माध्यम से शुद्ध पेयजल हर घर को पहुंचाया जा रहा है और व्यवस्थित सड़के गांव में नजर आ रही हैं.

जल जीवन मिशन के तहत जल संरक्षण की जागरूकता के प्रयास से कैसे ग्रामीण न केवल शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लाभ उठा रहे हैं बल्कि जल संरक्षण में मदद भी कर रहे हैं. इन सारे बिंदुओं को बहुत ही सार्थक तरीके से इस मॉडल विलेज में दर्शाया गया है.

समर सलिल
www.samarsaleel.com

राममय माहौल में जल जीवन मिशन के पंडाल का माघ मेला में आज होगा श्री गणेश

• प्रयागराज माघ मेला में जल जीवन मिशन के पंडाल के जरिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था में आई क्रांति का झांकी के जरिए करेगा प्रदर्शन।

• पंडाल के शुभारंभ के मौके पर आठ एलईडी स्क्रीन पर दिखाई जाएगी रामायण, प्राण प्रतिष्ठा समारोह की होगी लाइव स्ट्रीमिंग, पंडाल में किया जाएगा सुंदरकांड का पाठ और फिर होगा भंडारा।

लखनऊ/प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को निरंतर कम किया जा रहा है.

किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिलेगी. जहां पहुंच रहे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन का पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा.

इस पंडाल में अनेक खासियत हैं. जिनको निहार कर यहां आने वाले तीर्थ यात्री जल जीवन मिशन की कामयाबी से दो-चार होंगे. अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर सोमवार 22 जनवरी के दिन इस पंडाल का श्री गणेश होगा. जहां सुबह 8:00 बजे से पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया जाएगा.

👉'विदेशी नंबर से आए कॉल तो हो जाएं सतर्क..', ऑनलाइन जालसाजों को लेकर गृह मंत्रालय का अलर्ट

इसके साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की जाएगी. जल जीवन मिशन के पंडाल में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा. इसके बाद में भंडारे का भव्य आयोजन होगा और यहां आए श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा.

दो करोड़ ग्रामीण घरों तक पहुंचा नल से जल

उत्तर प्रदेश के दो करोड़ ग्रामीण घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच चुका है. राज्य सरकार की इस कामयाबी की वजह से उत्तर प्रदेश के 75% ग्रामीण घरों तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है. जिसकी झांकी जल जीवन मिशन के माघ मेला के दौरान लगाए गए पंडाल में भी दिखेगी.

उदयपुर किरण

माघ मेला में 'जय श्रीराम' के साथ जल जीवन मिशन के पंडाल का हुआ शुभारम्भ

-माघ मेला में जल जीवन मिशन के पंडाल के जरिए उप्र में ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था में आई क्रांति, झांकी का प्रदर्शन

-मौके पर आठ एलईडी स्क्रीन पर रामायण प्रदर्शन, प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग, पंडाल में हुआ सुंदरकांड का पाठ और भंडारा

प्रयागराज, 22 जनवरी . Prime Minister Narendra Modi की प्रेरणा और Chief Minister योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि जल जीवन मिशन के तहत उप्र के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को कम किया जा रहा है. जिस तरह से जल जीवन मिशन पूरे यूपी में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी माघ मेले में देखने को मिलेगी और लोग रूबरू होंगे.

Ayodhya में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर Monday को जल जीवन मिशन के पंडाल का गणेश किया गया. जल जीवन मिशन Uttar Pradesh के कार्यकारी निदेशक बृजराज यादव ने पूरे विधि विधान के साथ इस पंडाल का शुभारम्भ किया. पंडाल में लगाई गई आठ एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया. साथ ही Ayodhya में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग भी इन स्क्रीन पर की गई. प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात शाम को सुंदरकांड का पाठ एवं भंडारे का भव्य आयोजन हुआ.

-शुभारम्भ के मौके पर राममय हुआ पंडाल

जल जीवन मिशन उप्र के पंडाल का माघ मेले में Monday को जब गणेश हुआ तो Ayodhya में राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा का अद्‌भुत अवसर भी साथ ही था, जिससे पूरा वातावरण राममय हो गया. पंडाल में हर घर नल से जल योजना के मॉडल विलेज को भी प्रदर्शित किया गया है. जिसके जरिए बताया गया है कि किस तरह से एक आदर्श गांव में हर घर नल से जल योजना प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति कर रही है. इसके तहत जल संरक्षण की जागरूकता के प्रयास से कैसे ग्रामीण न केवल शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का लाभ उठा रहे हैं, बल्कि जल संरक्षण में मदद भी कर रहे हैं. इन सारे बिंदुओं को बहुत ही सार्थक तरीके से इस मॉडल विलेज में दर्शाया गया है.

उदयपुर किरण

सख्त रुख: गंगा में अगर प्रदूषण मिला तो बर्खास्त होंगी कार्यदाई संस्थाएं, अधिकारी जाएंगे जेल

कानपुर, 10 जनवरी (अपडेट). माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदायी संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे. माघ मेला को लेकर बधुवार को Kanpur में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने Wednesday को अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किए हैं.

उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदायी संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें. कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ First Information Report भी की जाएगी. उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी. जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे.

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए. उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली. उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है. Prayagrajऔर Kanpur में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं, माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये.

उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किए जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की. नमामि गंगे योजना के तहत चल रहे कार्यों के साथ सीसीमऊ एसटीपी के संचालन की भी जानकारी ली. इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया. नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है, इसका भी उन्होंने मुआयना किया.

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

सख्त रुख: गंगा में अगर प्रदूषण मिला तो बर्खास्त होंगी कार्रदाई संस्थाएं, अधिकारी जाएंगे जेल

कानपुर, 10 जनवरी (हि.स.) (अपडेट)। माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदायी संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बुधवार को अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदायी संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रयागराज और कानपुर में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं, माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये।

उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किए जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की। नमामि गंगे योजना के तहत चल रहे कार्यों के साथ सीसीमऊ एसटीपी के संचालन की भी जानकारी ली। इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है, इसका भी उन्होंने मुआयना किया।

प्रमुख सचिव ने गंगा स्वच्छता कार्यक्रम में लगी कम्पनियों पर भी सख्ती करते हुए गंगा में गंदगी को गिरने से रोकने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि बिजली चले जाने पर कम्पनियां डीजल सेट चलाकर गंगा में गिरने वाली गंदगी को रोकेंगी। उन्होंने कहा कि नदी में सीवरेज को रोकने के काफी प्रयास किए गए हैं।

हिन्दुस्थान समाचार/अजय/दीपक/आकाश

जागरण

UP News: गंगा में अगर प्रदूषण मिला तो कार्रदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त और अधिकारी जाएंगे जेल, प्रमुख सचिव नमामि गंगे की दो टूक

माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदायी संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव ने अधिकारियों इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदायी संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

माघ मेला को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव।

डिजिटल डेस्क, कानपुर। माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदायी संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं।

उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदाई संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली. उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रयागराज और कानपुर में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये। उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किये जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की। नमामि गंगे योजना के तहत चल रहे कार्यों के साथ सीसीमऊ एसटीपी के संचालन की भी जानकारी ली। इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है इसका भी उन्होंने मोआयना किया।

Namami Gange: सख्त रुख: गंगा में गंदगी मिली तो कार्यदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त, अधिकारी जाएंगे जेल

Namami Gange: माघ मेला को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे की दो टूक। कार्यदाई संस्था के जिम्मेदारों से कहा गंगा की निर्मलता से किया समझौता तो कठोर कार्रवाई होगी। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पर एफआईआर करने के भी निर्देश। "अविरल-निर्मल गंगा" संकल्प को हर कीमत पर पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश।

सख्त रुख : गंगा में गंदगी मिली तो कार्यदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त, अधिकारी जाएंगे जेल: Photo- Newstrack

Namami Gange: माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदाई संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदाई संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये।

नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रयागराज और कानपुर में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये। उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किये जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की। इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है इसका भी उन्होंने मुआयना किया।

निष्पक्ष दस्तक

गंगा में गंदगी मिली तो कार्यदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त

गंगा में गंदगी मिली तो कार्यदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त

सख्त रुख : गंगा में गंदगी मिली तो कार्यदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त, अधिकारी जाएंगे जेल। माघ मेला को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे की दो टूक। कार्यदाई संस्था के जिम्मेदारों से कहा गंगा की निर्मलता से किया समझौता तो कठोर कार्रवाई होगी। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पर एफआईआर करने के भी निर्देश। "अविरल-निर्मल गंगा" संकल्प को हर कीमत पर पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश।

कानपुर। माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदाई संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदाई संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली. उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रयागराज और कानपुर में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये। उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किये जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की। इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है इसका भी उन्होंने मोआयना किया।

बिजली चले जाने पर भी गंगा में नहीं गिरेगी गंदगी

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा स्वच्छता कार्यक्रम में लगी कम्पनियों पर भी सख्ती करते हुए गंगा में गंदगी को गिरने से रोकने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि बिजली चले जाने पर कम्पनियां डीजल सेट चलाकर गंगा में गिरने वाली गंदगी को रोकेंगी। उन्होंने कहा कि नदी में सीवरेज को रोकने के काफी प्रयास किये गये हैं।

समर सलिल
www.samarsaleel.com

सख्त रुख: गंगा में गंदगी मिली तो कार्रदाई संस्थाएं होंगी बर्खास्त, अधिकारी जाएंगे जेल

- *माघ मेला को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे की दो टूक*
- *कार्यदाई संस्था के जिम्मेदारों से कहा गंगा की निर्मलता से किया समझौता तो कठोर कार्रवाई होगी*
- *कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पर एफआईआर करने के भी निर्देश*
- *"अविरल-निर्मल गंगा" संकल्प को हर कीमत पर पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश*

कानपुर। माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदाई संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदाई संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों से कहा कि माघ मेले के दौरान अविरल-निर्मल गंगा के संकल्प को पूरा करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने कहा कि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न जाए ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। नमामि गंगे कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

प्रयागराज और कानपुर में गंगा सफाई को लेकर जो प्रयास किये गये हैं माघ मेले के दौरान उनका असर दिखाई देना चाहिये। उन्होंने नालों को टैप करने और गंदगी न गिरे इसके लिए किये जा रहे प्रयासों की बारी-बारी समीक्षा की। इससे पूर्व जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ बलकार सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। नदी में कहीं गंदगी तो नहीं गिर रही है इसका भी उन्होंने मोआयना किया।

बिजली चले जाने पर भी गंगा में नहीं गिरेगी गंदगी

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गंगा स्वच्छता कार्यक्रम में लगी कम्पनियों पर भी सख्ती करते हुए गंगा में गंदगी को गिरने से रोकने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि बिजली चले जाने पर कम्पनियां डीजल सेट चलाकर गंगा में गिरने वाली गंदगी को रोकेंगी। उन्होंने कहा कि नदी में सीवरेज को रोकने के काफी प्रयास किये गये हैं।

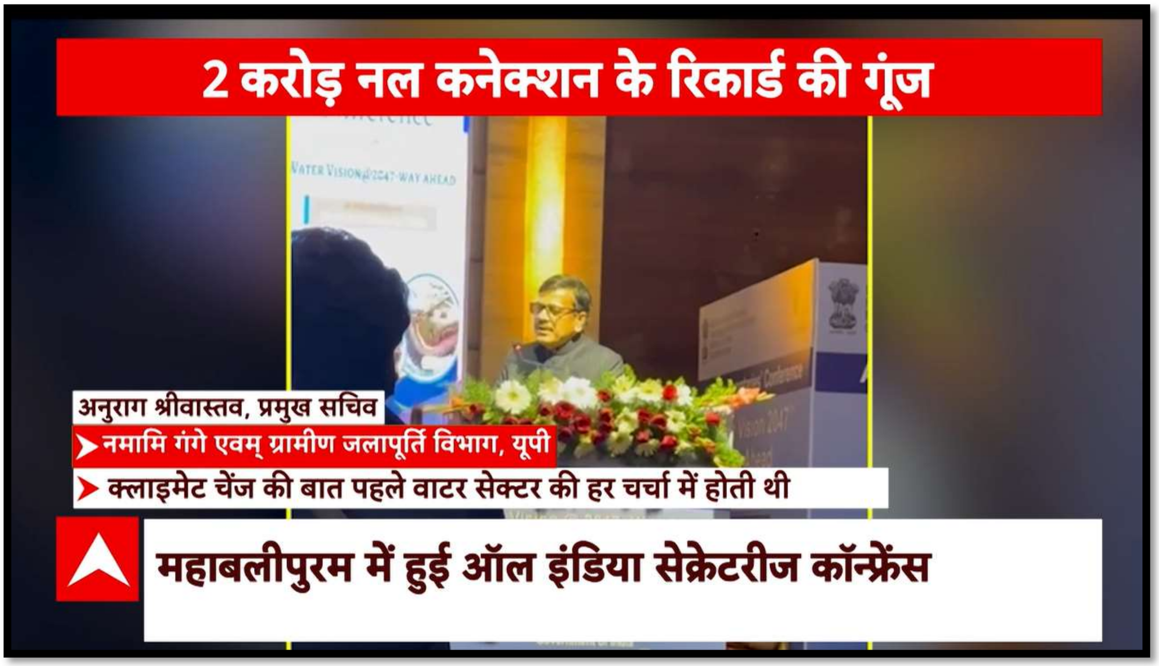
2 करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की गूंज
अनुराग श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव
नमामि गंगे एवम् ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, यूपी
क्लाइमेट चेंज की बात पहले वाटर सेक्टर की हर चर्चा में होती थी
महाबलीपुरम में हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कॉन्फ्रेंस

तमिलनाडु में 'योगी के यूपी' की धूम
abp न्यूज़
हर घर नल योजना..यूपी ने 75% लक्ष्य हासिल किया

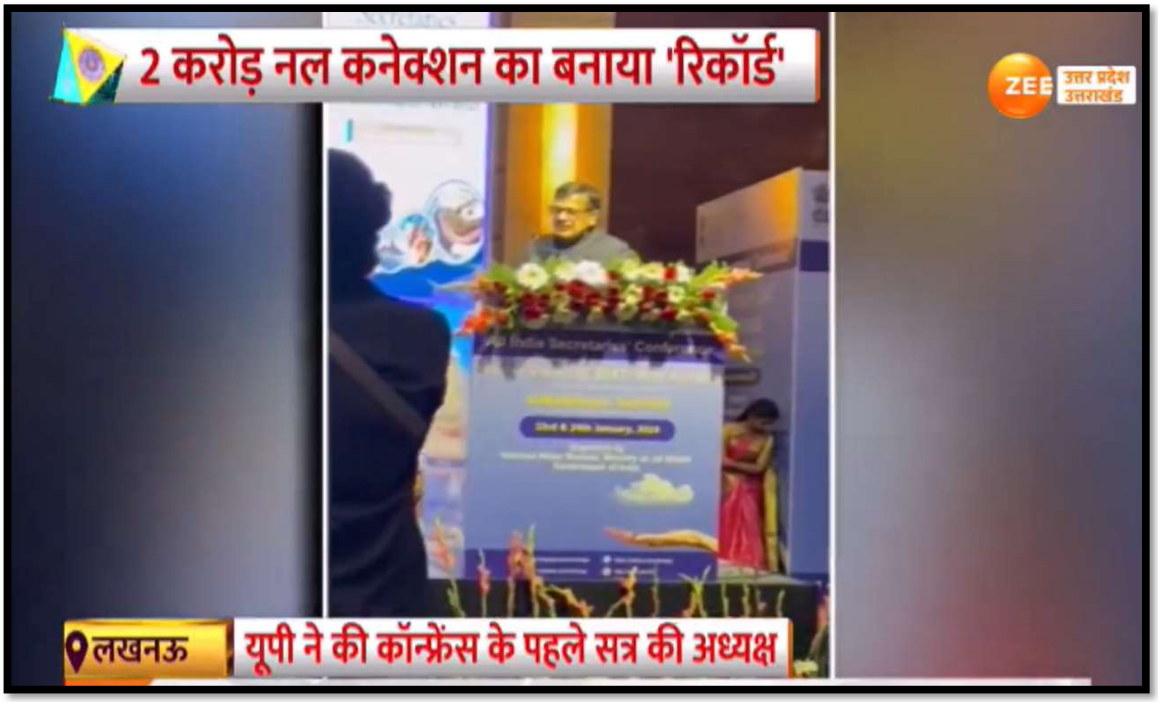
2 करोड़ नल कनेक्शन का बनाया 'रिकॉर्ड'
लखनऊ
यूपी ने की कॉन्फ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्ष

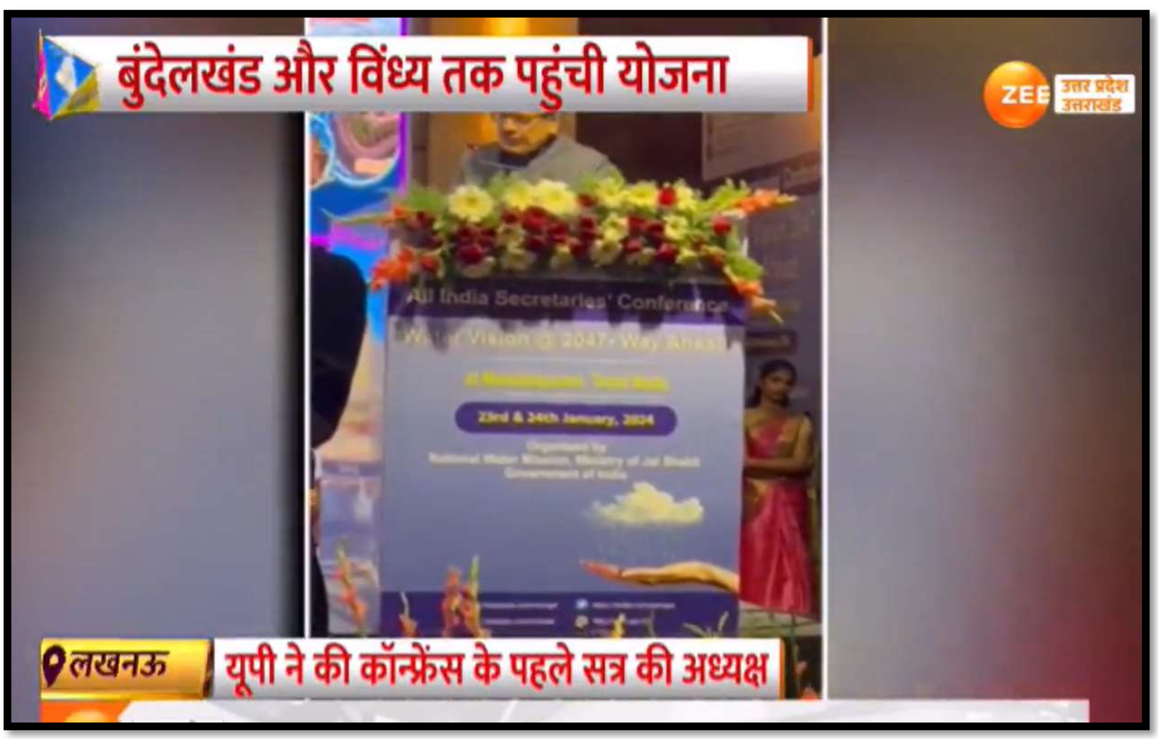
बुंदेलखंड और विंध्य तक पहुंची योजना
All India Secretaries' Conference
23rd & 24th January, 2024
लखनऊ
यूपी ने की कॉन्फ्रेंस के पहले सत्र की अध्यक्ष

तमिलनाडु में हुई ऑल इंडिया सेक्रेटरीज कॉन्फ्रेंस
महाबलीपुरम, तमिलनाडु
भारत समाचार
23-01-2024
All India Secretaries' Conference
"Water Vision @ 2047- Way Ahead"

जल निगम ग्रामीण एमडी डॉ.बलकार सिंह भी रहे
महाबलीपुरम, तमिलनाडु
भारत समाचार
All India Secretaries' Conference
"Water Vision @ 2047- Way Ahead"
लखनऊ
BREAKING NEWS

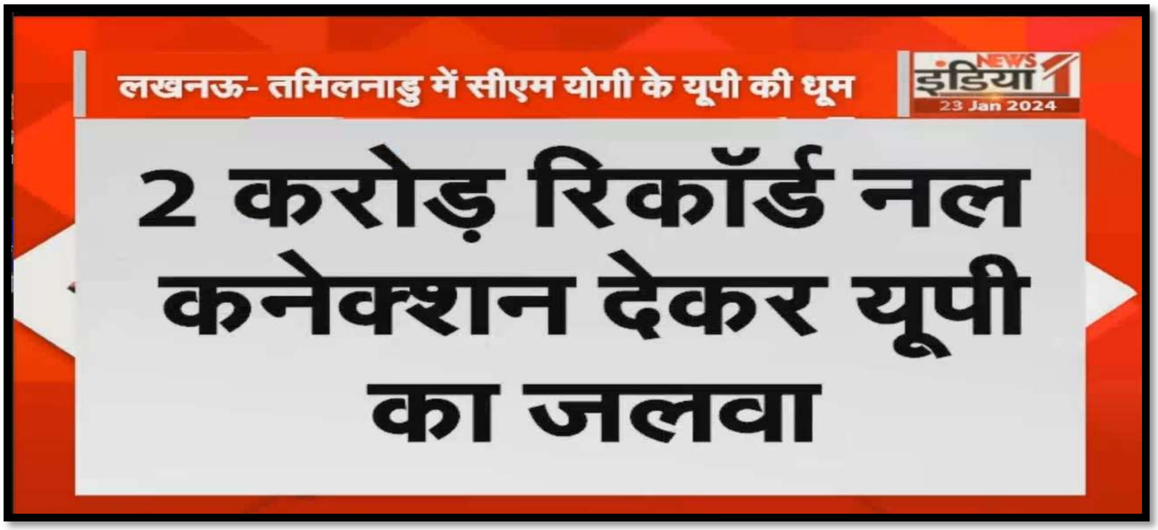
लखनऊ- तमिलनाडु में सीएम योगी के यूपी की धूम
NEWS इंडिया 1
23 Jan 2024
2 करोड़ रिकॉर्ड नल कनेक्शन देकर यूपी का जलवा

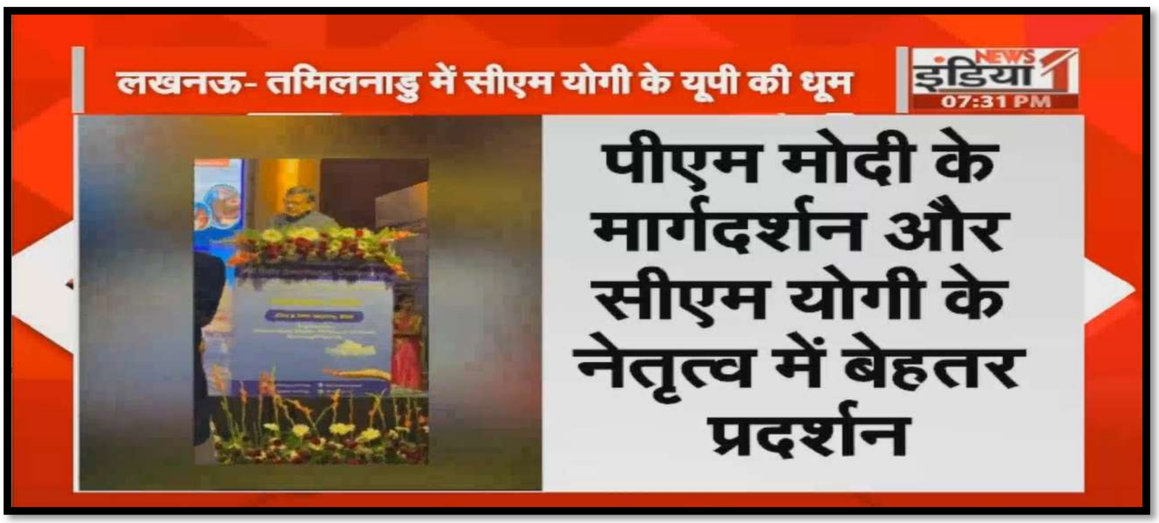
लखनऊ- तमिलनाडु में सीएम योगी के यूपी की धूम
NEWS इंडिया 1
07:31 PM
पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में बेहतर प्रदर्शन

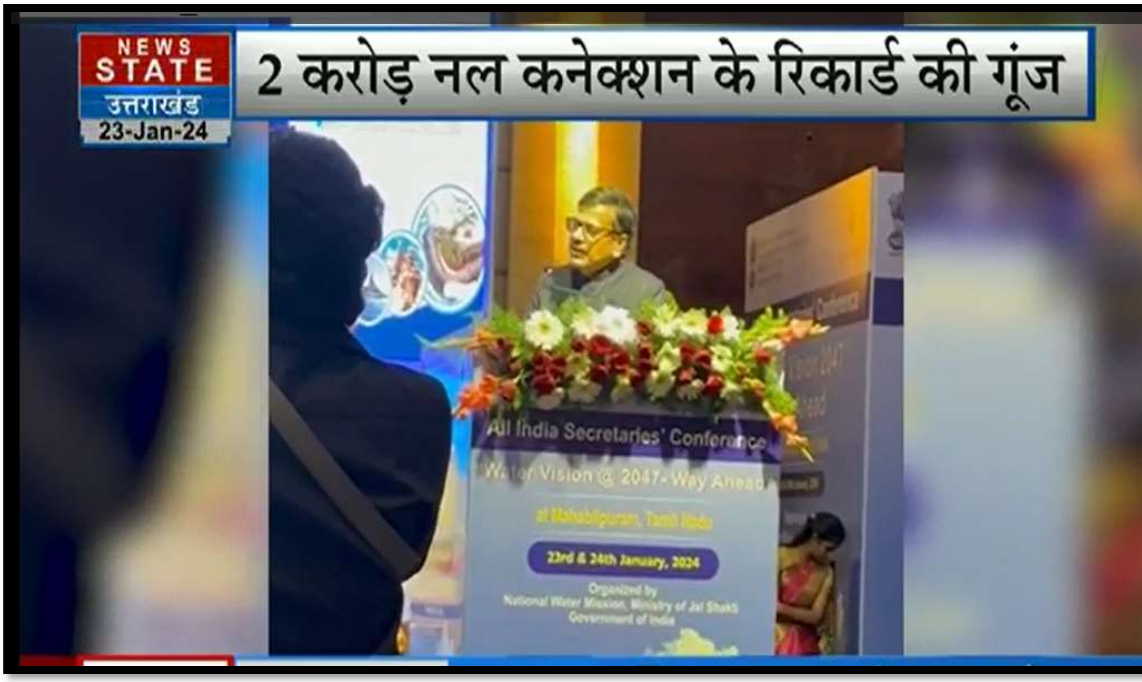
NEWS
STATE
उत्तराखंड
23-Jan-24
2 करोड़ नल कनेक्शन के रिकार्ड की गूंज
All India Secretaries' Conference
Water Vision @ 2047- Way Ahead
23rd & 24th January, 2024
Organized by
National Water Mission, Ministry of Jal Shakti
Government of India

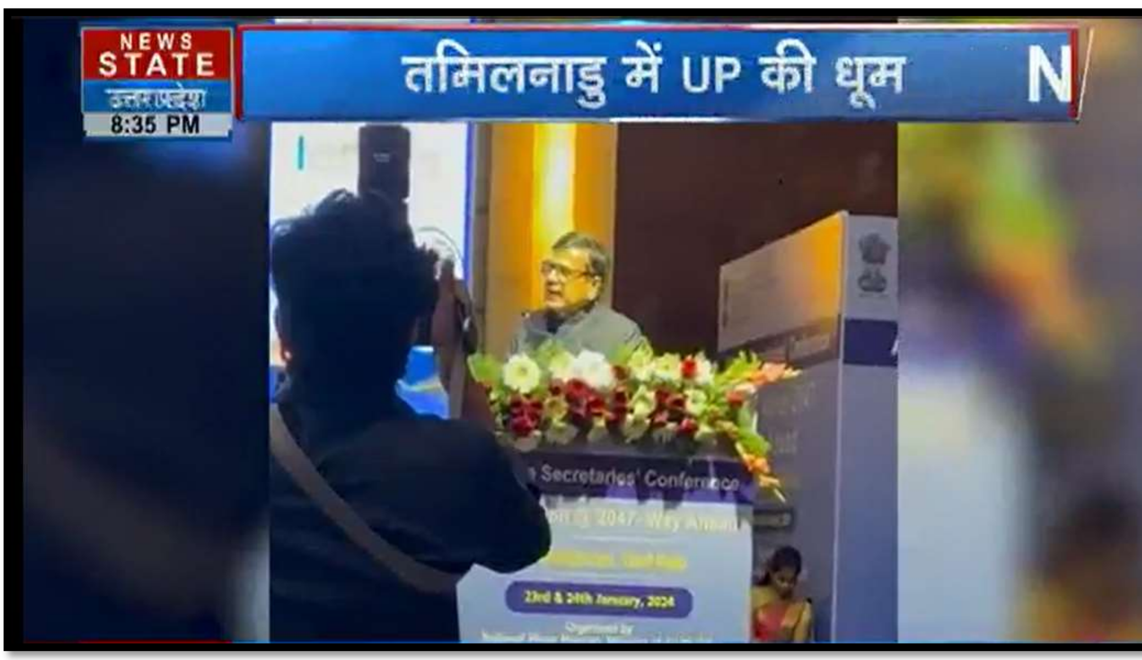
NEWS
STATE
8:35 PM
तमिलनाडु में UP की धूम
Secretaries' Conference
23rd & 24th January, 2024

माघ मेला में जल जीवन मिशन का पंडाल
भारत 24
Vision of New India

दिखाई जाएगी जल जीवन मिशन की उपलब्धियां
भारत 24
Vision of New India

जल्द ही बाकी गांव तक भी पहुंचेगा शुद्ध पानी
भारत 24
Vision of New India

1.97 करोड़ घरों में दिया जा चुका है कनेक्शन
भारत 24
Vision of New India

बैठक में प्रमुख सचिव, डीएम रहे मौजूद
भारत समाचार
10-01-2024
कानपुर
आगरा
BREAKING NEWS

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने दिए निर्देश
भारत समाचार
09:21:PM
कानपुर
प्रमुख सचिव

75 फीसदी ग्रामीणों तक पहुंचा नल से जल
भारत समाचार
17-01-2024
लखनऊ

सीएम योगी ने पीएम मोदी का जताया आभार
भारत समाचार
09 : 20 : PM
लखनऊ

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर शुभारंभ
भारत समाचार
10 : 10 : PM
प्रयागराज

सुंदरकांड पाठ, भंडारे का भी हुआ आयोजन
भारत समाचार
22-01-2024
प्रयागराज

बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर की गई चर्चा
NEWS इंडिया 1
11 Jan 2024
कानपुर

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने दिए कई दिशानिर्देश
NEWS इंडिया 1
कानपुर

NEWS STATE
उत्तराखंड
10-Jan-24
अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश
कानपुर

उत्तर प्रदेश
10-Jan-24
ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव की बैठक
कानपुर

NEWS STATE
उत्तराखंड
17-Jan-24
जल जीवन मिशन ने बदली तस्वीर
लखनऊ

उत्तर प्रदेश
8:47 PM
जल जीवन मिशन
लखनऊ
TRUST OF INDIA
ECO PLUS
UP की बड़ी
'मई में 12 लाख 93 हजार नल कनेक्शन

NEWS
STATE
उत्तराखंड
जल जीवन मिशन का विशेष पंडाल
प्रयागराज

NEWS
STATE
उत्तराखंड
21-Jan-24
जल जीवन मिशन का विशेष पंडाल
प्रयागराज

NEWS STATE
उत्तराखंड
22-Jan-24
प्रयागराज में माघ मेला में राममय हुआ माहौल
श्रीराम
प्रयागराज
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

NEWS STATE
उत्तराखंड
22-Jan-24
प्रयागराज में माघ मेला में राममय हुआ माहौल
श्रीराम
प्रयागराज
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश